MPA

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए.

जुलाई 2010 और जनवरी 2011 सत्र के सत्रीय कार्य

(एम.ए. द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

एम.ए. द्वितीय वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक-एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द-सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

टिप्पणीः इस पुस्तिका में एम.ए. द्वितीय वर्ष में उपलब्ध सभी छह पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य शामिल हैं किंतु आपको केवल उन्हीं पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य करने होंगे, जिन्हें आपने अपने द्वितीय वर्ष में लिया है। हालाँकि यह कार्यक्रम अभी केवल अंग्रेज़ी माध्यम में ही उपलब्ध है, किंतु आप अपने सत्रीय कार्य हिंदी में लिखकर जमा करा सकते हैं और अपनी सत्रांत परीक्षा भी हिंदी में दे सकते हैं।

आपसे अनुरोध है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा करा दें ताकि आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए-015, एम.पी.ए-016, एम.पी.ए-017, एम.पी.ए-018, एम.एस.ओ-002 और एम.पी.एस-003 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए)	जुलाई 2010 सत्र के लिए 31 मार्च 2011 जनवरी 2011 सत्र के लिए 30 सितंबर 2011	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में बताई गई हर प्रकार की श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह देख लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और

   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए आप सही-सही उत्तर लिखें।

3) **प्रस्तुतिकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ-साफ हस्तलिपि में लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. ई.वायुनंदन
और
प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए-015 : लोक नीति और विश्लेषण
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-015
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-015/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2010-11

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. "नीति विज्ञान को अनुभवजन्य और मानकीय स्तरों पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए।
2. नीति-निर्माण में योजना आयोग की भूमिका की चर्चा कीजिए।
3. नागरिक समाज संगठनों के समक्ष चुनौतियों पर प्रकाश डालिए और नीति निर्माण में उनकी भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
4. नीति निर्माण में यूनेस्को (UNESCO) की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।
5. नीति निरूपण में प्रमुख व्यवरोधों पर एक टिप्पणी लिखिए।

भाग-II

6. नीति कार्यान्वयन के अध्ययन में विभिन्न उपागमों को अपनाने की आवश्यकता का औचित्य सिद्ध कीजिए।
7. नीति मॉनीटरिंग के विभिन्न उपागमों पर प्रकाश डालिए।
8. नागरिक समाज में भूमिका के विशेष संदर्भ में नीति वितरण के तरीकों का वर्णन कीजिए।
9. "इष्टतमीकरण मॉडलों की अपेक्षा अनुकरण मॉडल अधिक उपयुक्त हैं।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए।
10. दूरसंचार नीति का विश्लेषण कीजिए और संचालनात्मक दक्षता में बढ़ोत्तरी पर निजीकरण के प्रभावों पर प्रकाश डालिए।

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए-016 : विकेंद्रीकरण और स्थानीय शासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-016
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-016/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2010-11

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. राजनीतिक, संवैधानिक और प्रशासनिक संदर्भ में विकेंद्रीकरण के संवैधानिक आयामों की व्याख्या कीजिए।

2. सशक्तिकरण क्या है? भारत में सशक्तिकरण के लिए किए गए विभिन्न प्रयासों की चर्चा कीजिए।

3. चर्चा कीजिए कि विकेंद्रीकृत विकास के घटकों से आगे चलकर विकास के लाभों का समान वितरण होता है।

4. विशेष और एकल उद्देश्य एजेंसियाँ स्थानीय शासन की भावना को आहत करती हैं। चर्चा कीजिए।

5. स्थानीय शासन के उद्देश्यों को प्राप्त करने में विकेंद्रित विकास के प्रभाव की व्याख्या कीजिए।

भाग-II

6. 73वें संविधान संशोधन अधिनियम के पश्चात विभिन्न राज्यों में पंचायती राज संस्थाओं की कार्य-प्रणाली की चर्चा कीजिए।

7. 11वीं अनुसूची का अध्ययन बताता है कि स्थानीय निकायों को प्रमुख उत्तरदायित्व सौंपे गए हैं। चर्चा कीजिए।

8. विकास योजना से आप क्या समझते हैं? विकास योजना के लिए आवश्यकताओं की चर्चा कीजिए।

9. स्थानीय शासन में लोगों की भागीदारी के तरीकों पर प्रकाश डालिए।

10. सतत विकास से आप क्या समझते हैं? सतत विकास के क्षेत्र में शहरी और ग्रामीण संस्थाओं की भूमिका की चर्चा कीजिए।

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए-017 : ई-गवर्नेंस
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-017
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-017/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2010-11

पूर्णांकः 50

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्न करने अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग-I

1. ऐसे विभिन्न ई-गवर्नेंस मॉडल हैं, जिन्हें ई-गवर्नेंस प्रयासों की रूपरेखा (design) बनाने के दिशा-निर्देश के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। चर्चा कीजिए।

2. प्रबंधन सूचना प्रणाली (Management Information Systems) संगठन में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों की रूपरेखा, कार्यान्वयन, प्रबंधन और प्रयोग का अध्ययन है। व्याख्या कीजिए।

3. "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी सरकारी विभागों के परंपरागत कार्यकरण को आधुनिक इलेक्ट्रॉनिकीकृत रूप में परिवर्तित कर देती है।" चर्चा कीजिए।

4. कृषि के विकास में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

5. आंध्र प्रदेश में ई-पंचायत परियोजना की चर्चा कीजिए।

भाग-II

6. शिक्षा कार्यक्रम संबंधी भारतीय उपग्रह "एडूसेट" पर एक टिप्पणी लिखिए।

7. नागरिक सेवाओं के वितरण में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। चर्चा कीजिए।

8. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत सूचना आयोग (Information Commission) की शक्तियों और कार्यों पर प्रकाश डालिए।

9. शासन में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के प्रभावी कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

10. राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (NeGP) पर एक टिप्पणी लिखिए।

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए-018 : आपदा प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-018
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-018/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2010-11

पूर्णांकः 50

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 400-400 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग-I

1. आपदा को परिभाषित कीजिए और समुद्र तटीय क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन की चर्चा कीजिए।
2. आपदा रोकथाम को परिभाषित कीजिए और इसके महत्व पर प्रकाश डालिए।
3. संवेदनशीलता को परिभाषित कीजिए और संवेदनशीलता विश्लेषण प्रक्रिया की चर्चा कीजिए।
4. "जोखिम सहभाजन और हस्तांतरण से समुत्थान शक्ति का विकास होता है।" चर्चा कीजिए।
5. न्यूनीकरण को परिभाषित कीजिए और न्यूनीकरण में समस्या-क्षेत्रों की चर्चा कीजिए।

भाग-II

6. "आवास पुनर्वास सरोकारों में कई पहलू शामिल हैं।" चर्चा कीजिए।
7. राहत वितरण के प्रमुख चरणों की चर्चा कीजिए।
8. घटना निर्देश प्रणाली (Incident Command System) पर एक टिप्पणी लिखिए।
9. क्षति आकलन की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए।
10. "पुनःस्थापन और विकास के बीच अंतःसंबंध है।" चर्चा कीजिए।